



Raghvendra Gautam



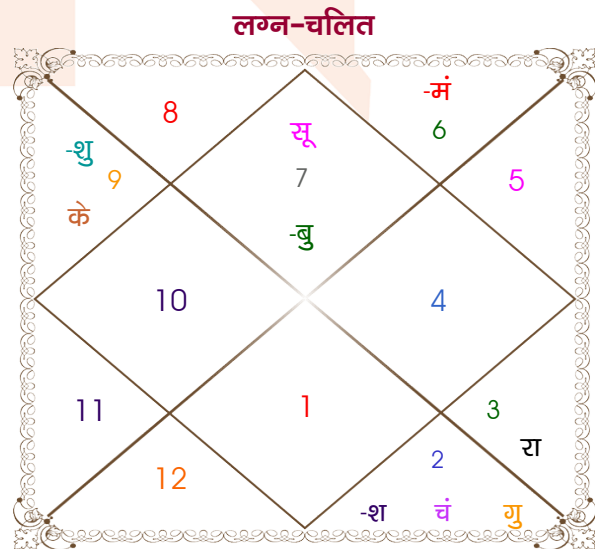
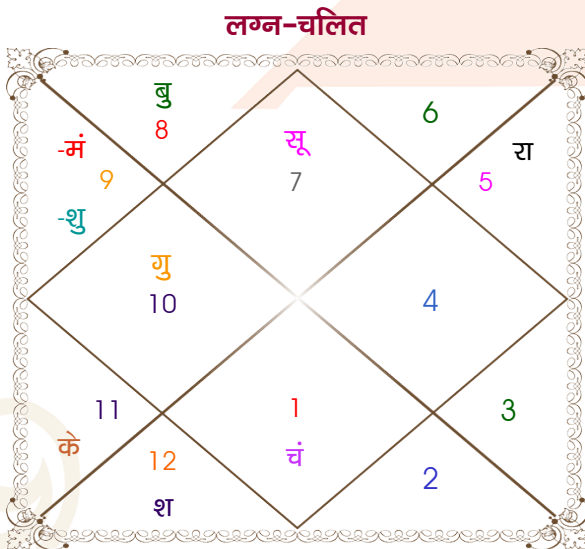
Vidhushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121434305

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 13-14/11/1997 : _____ जन्म तिथि _____ : 12-13/11/2000
 गुरु-शुक्रवार : _____ दिन _____ : रवि-सोमवार
 घंटे 06:43:08 : _____ जन्म समय _____ : 06:42:33 घंटे
 घटी 60:01:57 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 60:01:55 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:42:21 : _____ सूर्योदय _____ : 06:41:46
 17:28:24 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:28:46
 23:49:32 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:51:51

विंशोत्तरी शुक्र 9वर्ष 2मा 9दि मंगल		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 0मा 27दि राहु	
		27:04:38	तुला	लग्न	तुला	26:18:09		
		27:52:24	तुला	सूर्य	तुला	27:05:51		
		20:32:16	मेष	चंद्र	वृष	12:33:58		
		09:48:28	धनु	मंगल	कन्या	11:38:57		
मंगल	22/06/2023	15:22:54	वृश्चि	बुध	तुला	08:08:02	राहु	23/08/2018
राहु	09/07/2024	20:26:17	मक	गुरु व	वृष	14:17:00	गुरु	16/01/2021
गुरु	15/06/2025	14:39:59	धनु	शुक्र	धनु	06:05:04	शनि	23/11/2023
शनि	25/07/2026	20:37:31	मीन व	शनि व	वृष	04:09:09	बुध	11/06/2026
बुध	22/07/2027	23:51:33	सिंह व	राहु व	मिथु	23:02:36	केतु	30/06/2027
केतु	18/12/2027	23:51:33	कुंभ व	केतु व	धनु	23:02:36	शुक्र	29/06/2030
शुक्र	16/02/2029	11:18:24	मक	हर्ष	मक	23:09:38	सूर्य	24/05/2031
सूर्य	24/06/2029	03:42:44	मक	नेप	मक	10:09:11	चन्द्र	22/11/2032
चन्द्र	23/01/2030	11:06:40	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:03:06	मंगल	11/12/2033



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

तंहीअमदकतं ळंनजंउ का वर्ग मृग है तथा टपकीनीप का वर्ग गरुड है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार तंहीअमदकतं ळंनजंउ और टपकीनीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

तंहीअमदकतं ळंनजंउ मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

टपकीनीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टपकीनीप कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु तंहीअमदकतं लंनजंउ कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

तंहीअमदकतं लंनजंउ तथा टपकीनीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

